

जिनके घर में श्याम विराजे उनको चिंता होती नहीं लिरिक्स



जिनके घर में श्याम विराजे,
उनको चिंता होती नहीं,
जिन आँखों ने श्याम को देखा,
वो आँखे कभी रोती नहीं,
जिनके घर में श्याम विराजें,
उनको चिंता होती नहीं।

तर्ज – कस्मे वादे प्यार वफ़ा ।

उनके घर में कही ना कही पे,
जय श्री श्याम लिखा होगा,
तीन बाण के निशान के निचे,
हारे का सहारा लिखा होगा,
इतना अटल विश्वास हो जिनको,
उनकी हार होती नहीं,
जिनके घर में श्याम विराजें,
उनको चिंता होती नहीं।

उस घर के कोने कोने में,
इतर महकता रहता है,
दिल की हर धड़कन से उनकी।
भाव भजन ही निकलता है,
जिन हाथों से भोग लगाया,
उनसे गलती होती नहीं,
जिनके घर में श्याम विराजें,
उनको चिंता होती नहीं।

उस घर में मेहमान को प्यारे,
श्याम का प्रेमी कहते हैं,
समय देख के बिन भोजन के,
जाने नहीं वो देते हैं,
ऐसे घर में सच में 'कन्हैया',
कोई कमी कभी होती नहीं,
जिनके घर में श्याम विराजें,
उनको चिंता होती नहीं।



जिनके घर में श्याम विराजे,
उनको चिंता होती नहीं,
जिन आँखों ने श्याम को देखा,
वो आँखे कभी रोती नहीं,
जिनके घर में श्याम विराजे,
उनको चिंता होती नहीं।

Singer – Kanhiya Mittal Ji
